केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - १

रविवार, ३ मार्च, २०१३ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण (३३)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण (३२)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
विभाग-३, कुल गुण		
	१३ (१०)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં .....

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		सही

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''आपने मरने का यह क्या ढोंग रचा है ? न खाते है ? न पीते है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''कितना बड़ा कांड हो जाता ! लोग घायल होते, कोर्ट कचहरी होती ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''ये हे हमारे जैसे फ़कीर ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. श्रीजीमहाराज मन में सोचते रहे, मैं यहाँ से चला जाऊँगा, कही दूर एकान्त जंगल में जाकर रहूँगा ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. श्रीजीमहाराज के आश्रितों को सर्वोपरि भगवान की प्राप्ति का गौरव रहता है ।''

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – २ गुण – ६		सही

३. श्रीजी महाराज ने संतो को शिखासूत्र का त्याग करवाया ।

....

....

....

....

.... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. मगनीराम से अद्वैतानन्द । २. जीवाखाचर की परीक्षा । ३. हमारा जड़भरत ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५		सही	प्र - ४ गुण - ५		सही	प्र - ५ गुण - ४		सही

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. कुनबी किसान और मूलजी ब्रह्मचारी का संवाद सुनकर श्रीजीमहाराज ने क्या सोचा ? गुण : १

....

....

२. श्रीजीमहाराज ने किस के पास कुरान की आयातें बुलवाई ? गुण : १

....

....

३. श्रीजीमहाराज ने पूछा फिर भी किसको मोक्ष का साधनरुप श्लोक का विचार नहि आया ? गुण : १

....

....

४. श्रीजीमहाराज ने सर्वप्रथम शिखरबद्ध मंदिर कहाँ बनवाया ? और इसमें किस देव की प्रतिष्ठा की ? गुण : १

....

....

५. श्रीजीमहाराज ने अरदेशरजी कोतवाल की शुद्ध हृदय की प्रार्थना सुनकर क्या दिया ? गुण : १

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. शोभाराम की विपरीतता गुण : २

(१) [ ] मैं स्वामिनारायण से कभी नहीं मिलूँगा । (२) [ ] दरवाजे पर चार सिपाही खड़े कर दिये ।

(३) [ ] दरवाजे पर दो सिपाही खड़े कर दिये । (४) [ ] जीवन अनन्त अंधकार में बिता दिया ।

२. सोनबाई की भावना गुण : २

(१) [ ] श्रीहरि को पारायण के लिए आमंत्रित किया

(२) [ ] श्रीहरि को भोजन के लिए आमंत्रित किया

(३) [ ] चरणों में सोलह चिह्न के दर्शन

(४) [ ] महाराज मेरी रसोई अंगीकार नहीं करेंगे ?

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ४		सही	प्र - ७ गुण - ९		सही

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. श्रीजीमहाराज ने शीतलदास को दीक्षा देकर ..... नाम रखा । गुण : १

२. श्रीजीमहाराज ने भुज में ..... के यज्ञ में अहिंसामय यज्ञों का प्रतिपादन किया । गुण : १

३. ..... की महिमा समझकर उनकी इच्छानुसार जो उनकी सेवा करेगा, उसके सौ जन्मों की तो क्या हज़ारो जन्म की कसर इसी एक जन्म में निकाल देगें । गुण : १

४. सुरत के ..... भक्तने बड़ी लगन और प्रेमभाव से बनी सुन्दर डगली श्रीजीमहाराज को दी । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''आप के लिए तो मिट्टी और सोना समान है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

२. ''यह वचनामृत अपना बनाकर रखना ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

३. ''मुझे महाराज ने निकाल दिया है, मुझे अब अपने साथ नहीं रखते ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. श्रीजीमहाराज ने दस दिन एक के यहाँ और अगले दस दिन दूसरी बहन के यहाँ भोजन करना प्रारंभ किया ।

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ४		सही

२. जागा भक्त को ऐसा लगा कि जैसे किसी ने उन्हें गोली मार दी हो ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ 'दादाखाचर की आज्ञा पालन की तत्परता ।' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)**
(कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ५		सही	प्र - १० गुण - ४		सही	प्र - ११ गुण - ६		सही

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. जागाभक्त पूजा के पश्चात् किस नामो का पाठ करते थे । गुण : १

.....

.....

२. जब महिलाओं ने भक्तिमाता को अपने साथ रहने को कहा तब उन्होंने क्या उत्तर दिया ? गुण : १

.....

.....

३. अहमदाबाद गद्दी के प्रथम आचार्य के माता और पिता का नाम क्या था ? गुण : १

.....

.....

४. शास्त्रीजी महाराज का पक्ष रखने के लिए कृष्णजी अदा ने किसके साथ सम्बन्ध तोड़ दिया ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : प्रेमानंद स्वामी की कीर्तन भक्ति ।

१. महाराज ने प्रेमानंद स्वामी का नाम प्रेमसखी रखा । **२.** महाराज ने प्रेमानंद स्वामी को भैरव राग गाने को कहा । **३.** 'तारो चटक रंगीलो छेडलो....' इस पद की रचना प्रेमानंद स्वामी ने की । **४.** तुम्हारी कीर्तन की भावविभोर स्वरमाधुरी मुझे आधी रात में यहाँ खींच लाई । **५.** प्रेमानंद स्वामी ने पच्चीस हज़ार पद की रचना की । **६.** महाराज कड़ाके की ठंड में भी पूर्ण एकाग्रता और तन्मयता से प्रेमानंद स्वामी का गायन सुनने लगे । **७.** 'सजनी श्रीजी मुजने सांभरिया रे....' पद सुनते ही दादाखाचर प्रेमानंद स्वामी के पास दौड़े आये । **८.** उनको तो हमें साष्टांग दण्डवत् करना चाहिए । **९.** प्रेमानंद स्वामी के काव्य की यह निर्झरनी उनके हृदय से निकल रही है । **१०.** पाँच हजार पद अभी मिलते हैं । **११.** गुजराती भाषा के अतिरिक्त उनके पद हिन्दी और मराठी में भी मिले हैं । **१२.** प्रेमानंद स्वामी का संगीत शास्त्रीय संगीत था ।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		सही

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **सद्‌गुरु नित्यानन्द स्वामी :** अयोध्या के पास में तीनवा नाम का एक गाँव है। वहाँ राम शर्मा नाम के बनिया रहा करते थे। उनकी पत्नी का नाम वनितादेवी था ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **श्री कृष्णजी अदा :** हीराभाई जो गोपालानन्द स्वामी का अंगत शिष्य था, उसने शास्त्रीजी महाराज के विरुद्ध प्रार्थना-पत्र पर हस्ताक्षर कर दिये । हीराभाई जूनागढ़ सत्संग का प्रभावशाली व्यक्ति था ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **स्वामी जागा भक्त :** चोबीस वर्ष की ज्यादा आयु में ही जागा भक्त का विवाह महुवा की अमृतबाई के साथ हो गया था। तो भी जागा भक्त की वृत्ति घर से विरक्त ही रही ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **श्री अयोध्याप्रसादजी महाराज :** वरताल गद्‌दी के द्वितीय आचार्य रघुवीरजी का जन्म अयोध्या में संवत् १८६६ में वैशाख माह की कृष्ण पक्ष की एकादशी के शुभ दिन हुआ था ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. स्वविकास का नींव - वांचन विवेक
२. यौवन का नूर : नैतिकता
३. भगवान श्री स्वामिनारायणने दिया हुआ संयमबोध

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - १०		सही

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें